पुनना International School
Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

प्रश्न-पत्र

कक्षा- ६ | **विषय- हिन्दी**
पाठ- ३ नादान दोस्त | **कुल अंक-१०**

प्र-१ अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछ गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (३)

गुरुकुल में पढ़ने वाले छात्रों की पढाई पूरी होने पर एक दिन गुरुजी ने सभी छात्रों को मैदान में इकट्ठा होने के लिए कहा। सभी शिष्य मैदान में आकर खड़े हो गए। गुरूजी ने उनसे कहा, प्रिय शिष्यों मैं चाहता हूँ कि यहाँ से जाने से पहले आप सब एक बाधा दौड़ में भाग लें। इस दौड़ में आपको एक अँधेरी सुरंग से गुजरना होगा। सभी शिष्य सुरंग से गुजरे जहाँ जगह-जगह नुकीले पत्थर पड़े थे। दौड़ पूरी होने पर गुरूजी ने कहा, कुछ शिष्यों ने दौड़ जल्दी पूरी क्र ली और कुछ ने बहुत अधिक समय लगा दिया, भला ऐसा क्यों? कुछ शिष्यों ने जवाब दिया कि रस्ते में नुकीले पत्थर थे जिन्हें हम चुनकर जेब में रखते जा रहे थे ताकि पीछे आने वालों को पीड़ा न हो। गुरूजी ने उन सभी शिष्यों को बुलाया जिन्होंने चुने थे और जिन्हें तुम पत्थर समझ रहे, वे वास्तव में बहुमूल्य हीरे हैं जिन्हें मैंने सुरंग में डाला था। ये हीरे तुम सबका उपहार है क्योंकि तुमने दूसरों की पीड़ा को समझा। यह दौड़ जिंदगी की सच्चाई को बताती है कि सच्चा विजेता वही है जो इस दौड़ती दुनिया में दूसरों का भला करते हुए आगे बढ़ता है।

1- गुरूजी ने शिष्यों को कहाँ और क्यों बुलाया था?
2- शिष्यों को सुरंग में किस कठिनाई का सामना करना पड़ा?
3- गुरूजी ने शिष्यों को क्या दिया और क्यों?

प्र-२ निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित संज्ञा शब्दों के भेद लिखिए| (२)

1- खिड़की के शीशे टूटे हैं|
2- हिमालय पर्वती का राजा हैं|
3- आज मैं बहुत खुश हूँ|
4- गरीबी बहुत बड़ा अभिशाप हैं|

प्र-३ नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए| (२)

1- जातिवाचक संज्ञा किसे कहते है? कोई पाँच उदाहरण लिखिए:
2- व्यक्तिवाचाक संज्ञा किसे कहते है?

प्र-४ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (कोई-तीन) (३)

1- श्यामा मटके से क्या निकालकर लाई थी?
2- केशव कभी-कभी क्या याद करके रोता था?

3- प्रेमचंद ने इस कहानी का नाम 'नादान दोस्त' रखा। तुम इसे क्या शीर्षक देना चाहोगे?
4- केशव और उसकी बहन सुबह-सुबह आँखे मलते हुए कहाँ पहुँच जाते थे?
5- कार्निस के ऊपर कितने अंडे थे?